



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 32]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 8, 1970 (श्रावण 17, 1892)

No. 32]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 8, 1970 (SRAVANA 17, 1892)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस (NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 8 जुलाई 1970 तक प्रकाशित किये गये हैं :—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to 8th July 1970 :—

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
1	2	3	4
112	No. 91-ITC(PN)/70, dt. 25-6-70	Ministry of Foreign Trade	Import of crude drugs for Ayurvedic and Unani medicines by actual users for the period April 1970—March 1971.
	सं० 91-आई०टी०सी० (पी० एन०)/70 दिनांक 25 जून, 1970	विदेश व्यापार मंत्रालय	
113	No. 92-ITC(PN)/70, dt. 27-6-70	Do.	Import Policy for Registered Exporters for the period April 1970—March 1971 (Amendment No. 13).
	सं० 92-आई०टी०सी० (पी० एन०)/70 दिनांक 27 जून, 1970	तदैव	अप्रैल, 1970—मार्च 1971 की अवधि के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति (संशोधन सं० 13)
	No. 93-ITC(PN)/70, dt. 27-6-70	Do.	Import of goods as personal baggage under the Baggage rules.
	सं० 93-आई०टी०सी० (पी० एन०)/70 दिनांक 27 जून 1970	तदैव	असबाब नियमावली के अधीन व्यक्तिगत असबाब के रूप में माल का अपनाना।
	No. 94-ITC(PN)/70, dt. 27-6-70	Do.	Baggage Rules, 1970 for passengers (non-tourists).
	सं० 94-आई०टी०सी० (पी० एन०)/70 दिनांक 27 जून, 1970	तदैव	(पर्यटक भिन्न) यात्रियों के लिए असबाब नियमावली 1970।
114	No. 95-ITC(PN)/70, dt. 30-6-70	Do.	Import Policy for Registered exporters—Filing of applications for grant of replenishments against registered contracts (Amendment No. 14).
	सं० 95-आई०टी०सी० (पी० एन०)/70 दिनांक 30 जून, 1970	तदैव	पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति पंजीकृत संविदा का आपूर्ति प्रदान करने के लिए आवेदन पत्र भरना। संशोधन सं० 14।

1	2	3	4
115	No. 8/4/70-P, dt. 1-7-70 सं० 8/4/70-पी० दिनांक 1 जुलाई, 1970	Ministry of Home Affairs गृह मंत्रालय	Winding up the Administrative Reforms Commission. प्रशासनिक सुधार आयोग को बन्द करना ।
116	No. 96-ITC(PN)/70, dt. 4-7-70 सं० 96 आई०टी०सी० (पी० एन०)/70 दिनांक 4 जुलाई, 1970	Min. of Foreign Trade विदेश व्यापार मंत्रालय	Import Policy for Registered Exporters for the period April, 1970-March 1971 (Amendment No. 15). अप्रैल 1970 से मार्च 1971 तक के वर्ष के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति संशोधन सं० 15 ।
	WB-7(3)/70, dt. 8-7-70	Min. of Labour Employment & Rehabilitation.	Recommendations of the second Wage Board for the Sugar Industry.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियाँ प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी ।
मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से बस बिन के भीतर पहुँच जाने चाहिए ।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय-सूची (CONTENTS)

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 641	भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—रक्षा मंत्रालय को छोड़कर भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	पृष्ठ 3243
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	919	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	499
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	63	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	883
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	961	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	303
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार में जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	513
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	2579	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें	135
		पूरक संख्या 32—	
		1 अगस्त 1970 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट	1329
		11 जुलाई 1970 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों में हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े	1341

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	641	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii) —Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	3243
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	919	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	499
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	63	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	883
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	961	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	303
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	513
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	2579	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	135
		SUPPLEMENT No. 32	
		Weekly Epidemiological Reports for week ending 1st August 1970	1329
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 11th July 1970	1341

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

समाज कल्याण विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 जुलाई 1970

संकल्प

सं० एफ०-25/1/70 एस० डब्ल्यू-5—देश में समाज कल्याण कार्यक्रम का विकास लोगों की बदलती हुई आवश्यकताओं से ही सम्बन्धित रहना है। इस के लिए सतत अध्ययन और अनुसन्धान की आवश्यकता है। सामाजिक कार्य के स्कूलों तथा अन्य सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान संस्थाओं द्वारा क्षेत्र-समस्याओं का अध्ययन आरम्भ करने हेतु अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का समन्वय करना है। ताकि समाज कल्याण अनुसन्धान कार्य का प्रभावी तथा गुण पूर्ण कार्यक्रम तैयार हो सके।

2. अतः समाज कल्याण विभाग ने निर्णय किया है कि समाज कल्याण अनुसन्धान पर एक स्थायी सलाहकार समिति गठित की जाय जिसकी कार्य-शर्तें और सदस्यता इस प्रकार हो :

कार्य-शर्तें :—

- (i) समाज कल्याण कार्य के क्षेत्र में अनुसन्धान और अध्ययन का कार्यक्षेत्र निश्चित करना और क्षेत्र की आवश्यकताओं के लिए प्राथमिकताएं बताना।

- (ii) अनुसन्धान संस्थाओं द्वारा भेजे गए अनुसन्धान परियोजनाओं में शामिल किए गए अध्ययन के तरीकों की जांच करना तथा इन परियोजनाओं में अपनाए गए उपागम के सम्बन्ध में विभाग की सलाह देना।

- (iii) देश में समाज कल्याण अनुसन्धान की तरक्की से सम्बन्धित किसी भी अन्य कार्य में मार्गदर्शन प्रदान करना।

सदस्यगण :—

- (i) श्री पी० पी० आई० वैद्यानाथन, अध्यक्ष
अतिरिक्त सचिव,
- (ii) डा० जे० एफ० बुलसारा, सदस्य
पार्क हाऊस, 81, बोड हाऊस रोड,
बम्बई-5।
- (iii) डा० एम० एस० गोरे, निदेशक, सदस्य
सामाजिक विज्ञानों का टाटा संस्थान,
शीव, चैम्बूर, बम्बई-7।

- (iv) डा० के० बागची, सदस्य
सलाहकार, पोषण,
डी०जी०एच०एम०, नई दिल्ली।
- (v) डा० (कुमारी) ई० वी० मिशेणियन, सदस्य
सलाहकार, प्रसूति और बाल कल्याण,
डी०जी०एच०एम०, नई दिल्ली।
- (vi) सामाजिक कार्य स्कूल संघ, सदस्य
का प्रतिनिधि।
- (vii) प्रशिक्षित सामाजिक कार्यकर्ताओं के सदस्य
भारतीय संघ का प्रतिनिधि।
- (viii) श्री एम० सी० नानावती, सदस्य-सचिव
सलाहकार, समाज कल्याण।

समिति को अधिकार होंगे कि वह अतिरिक्त सदस्यों को सहयोजित कर सके और इस क्षेत्र के विख्यात अनुसन्धान कार्यकर्ताओं को अपनी बैठकों के लिए, जब भी आवश्यक हो, आमंत्रित कर सके।

3. समिति की सदस्यता के लिए कोई विशेष पारिश्रमिक नहीं दिया जाएगा। तो भी सदस्य इस कार्य के सम्बन्ध में जो यात्राएं करेंगे उनके लिए वे यात्रा भत्ते और दैनिक भत्ते के हकदार होंगे और अधिकारियों के लिए यह उनके विभागों के नियमानुसार होगा तथा गैर-सरकारी व्यक्तियों के लिए भारत सरकार के ग्रेड-1 अधिकारियों के दर जितना होगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतिलिपि समिति के सब सदस्यों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, योजना आयोग, मंत्रीपरिषद् सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संसदीय मामलों के विभाग, राज्य सरकारों/संघ क्षेत्रों के मुख्य सचिवों को भेजी जाए।

यह भी आदेश किया जाता है कि सामान्य जानकारी के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

पी० पी० आई० वैद्यनाथन,
अतिरिक्त सचिव

संचार विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 16 मार्च, 1970

सं० डब्ल्यू-11(8)/69—भारतीय बेतार तारयंत्र (वाणिज्यिक रेडियो परिचालकों का प्रवीणता प्रमाण पत्र तथा बेतार तारयंत्र के परिचालनों के लिए अनुज्ञप्त) नियम, 1954 का नियम 8 के उपबन्धों के सन्दर्भ में संचार विभाग वैमानिक चल सेवाओं के वास्ते रेडियो टेलीफोन परिचालक प्रमाण पत्र (निर्बन्धित) की परीक्षा का संशोधित पाठ्यक्रम एतद्वारा जारी करता है जो कि सई 1970 के प्रथम विषय से प्रभावी होगा।

रेडियो टेलीफोन परिचालक प्रमाणपत्र (निर्बन्धित) वैमानिक चल सेवा की परीक्षा का संशोधित पाठ्यक्रम—

परीक्षा का प्रारूप

परीक्षा के निम्नलिखित दो भाग होंगे :

भाग I : विनियमों तथा प्रक्रिया की व्यावहारिक परीक्षा—100 अंक

एकमंशिलिस्ट रेडियो/टेलीफोन परिपथ पर व्यावहारिक परीक्षा ली जाएगी। प्रत्याशियों को ध्वनीय (फोनेटिक) वर्णमाला तथा आर०/टी० कार्यकलाप की सामान्य प्रक्रिया का प्रयोग करना अपेक्षित होगा। प्रत्याशियों द्वारा चल और/या आधार केन्द्रों से सम्बद्ध संचारों का परिचालन अपेक्षित होगा। प्रत्याशियों में जिन कार्यों की अपेक्षा की जाती है उनके कुछ प्रमुख उदाहरण इस प्रकार हैं :—पारेषण के लिए संदेश तैयार करना, परियात का विनियम, डी०/एफ० सहायता के अनुरोध वाली अज्ञातों का प्रयोग, मौसम-वैज्ञानिक सूचनाओं की प्राप्ति, स्थिति रिपोर्टें, आपद्, अविलम्बिता, सुरक्षा तथा डी०/एफ० प्रक्रियायें।

भाग II :— निम्नलिखित की मौखिक परीक्षा :—

- (क) विनियम तथा प्रक्रिया
(ख) रेडियो सिद्धांत तथा पद्धति } 100 अंक

पाठ्यक्रम :

(क) विनियम तथा प्रक्रिया में निम्नलिखित बातें आयेंगी :—

अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार अभिसमय तथा रेडियो विनियम सामान्य एवं वैमानिक क्यू-कोड संकेत और अन्तर्राष्ट्रीय नागर विमानन संघटन के अनुबंध-10 (भाग I तथा II) में उल्लिखित अन्य संक्षेपण आपद्, अविलम्बिता तथा दिशा बोध प्रणाली के लिए विहित रेडियो टेलीफोन संचार के अनुरूप संचार प्रक्रियाएं। सामुद्रिक चल सेवा में आपद् संचार के लिए प्रक्रिया। रेडियो दूरभाषण में प्रयुक्त शब्द वर्तनी प्रणाली। वायुयान पर रेडियो उपकरण के अधिष्ठापन तथा परिचालन की अनुज्ञप्ति अपेक्षा। विमान पर ले जाए जाने वाले रेडियो उपस्कर के सम्बन्ध में अन्तर्राष्ट्रीय नागर विमानन संघटन के अनुबंध 6 और भारत में नागर विमानन प्राधिकार में यथाविहित न्यूनतम अपेक्षा। भारत में उड्डयन सूचना-क्षेत्र तथा उपलब्ध मुख्य रेडियो संचार एवं नौचालन सुविधायें, भारत के भीतर संचार और नौचालन के लिए प्रयुक्त मुख्य आवृत्तियां। मौसम वैज्ञानिक कूट-संकेत, उड्डयन-पूर्व सूचना सेवा तथा उनको प्रमाण, वैमानिक चल तथा वैमानिक परियात नियंत्रण सेवाओं में यथा प्रयुक्त, भारतीय नागर विमानन प्राधिकारियों द्वारा वैमानिकों को जारी की गयी अधिसूचनाओं का ज्ञान।

(ख) रेडियो सिद्धांत तथा पद्धति :—उम्मीदवारों से जिन विषयों का ज्ञान रखने की अपेक्षा की जाती है वे इस प्रकार हैं :—विद्युतीय इकाइयां (जैसे वोल्ट, ऐंपियर, ओम तथा वाट), तरंग दीर्घता आवृत्तियां तथा उनका आपसी सम्बन्ध, रेडियो आवृत्ति संचरण का प्रारम्भिक ज्ञान, दिवस एवं रात्रि आवृत्तियां, प्लुति दूरी, मन्दन, भूमि-छाया तथा संचार पर इसका प्रभाव, भूमि-आकाश-भूमि उच्च आवृत्ति संचार के व्यवहार में अधिकतम दक्षता प्राप्त करने के लिए आवृत्तियों का चयन।

चयनात्मक काल प्रणाली (सेलकाल) के परिचालन सहित भूमि-आकाश-भूमि संचारों के लिए प्रयुक्त प्रणालियों, अन्तर-संचार तथा विमानों को उद्घोषणा प्रणालियों का सामान्य ज्ञान, रेडियो-नौचालन-सहायताओं, माइक्रोफोन तथा हेडफोन के परिचालन, स्क्वेल्च, ए० बी० सी०, मात्रा नियंत्रण, प्रेषित का समस्वरूप एक-पथी तथा द्विपथी परिचालन प्रारम्भिक ज्ञान, रेडियो-दूरभाषण संचार, आवृत्ति, अन्तराय आदि के कारण परास की सीमायें आदि।

टिप्पणी : (i) भाग I और II में से प्रत्येक के अधिकतम अंक 100 और न्यूनतम उत्तीर्णक प्रत्येक भाग में 50 हैं। जो प्रत्याशी भाग I में उत्तीर्ण नहीं हो पाएंगे वे रेडियो दूरभाषण (आर०/टी०) परीक्षा में अनुत्तीर्ण माने जाएंगे।

(ii) अध्ययन के लिए सन्दर्भ (चल वैमानिक सेवा एवं अनुपंगी नियामक विषयों की अपेक्षाओं तक सीमित) —

पाठ्यक्रम के विभिन्न पहलुओं को व्याप्त करने वाली अनेक पुस्तकें हैं जिनकी एक संक्षिप्त सूची मार्गदर्शन के लिए नीचे दी जा रही है :—

- (क) इण्टरनेशनल रेडियो रेगुलेशंस।
- (ख) आई० सी० ए० ओ० पब्लिकेशंस, अनेग्जर 10, बोल्युम I तथा II।
- (ग) भारत के डी० जी ए० सी० (नागर विमानन महानिदेशालय) द्वारा प्रकाशित 'एयररेडियो (Aeradio) (भारत सरकार प्रकाशन)।
- (घ) एयरोनौटिकल इन्फार्मेशन पब्लिकेशन (भारत सरकार प्रकाशन)।
- (ङ) क्योंकि रेडियो संचार सिद्धांतों पर अनेक पुस्तकें उपलब्ध हैं अतः उनमें से उपयुक्त पुस्तक/पुस्तकें। मूल-भूत रेडियो ज्ञान के लिए 'अमेच्योर रेडियो रिग्ले वोग हैण्ड-बुक' उपयोगी हो सकती हैं।
- (iii) प्रत्याशियों से स्वयं उनके हित में यह सिफारिश की जाती है कि वे वास्तविक आधुनिक रेडियो दूरभाषण (आर०/टी०) अधिष्ठापन के कार्यचालन का किसी नागर यात्री विमान तथा भूमि स्थित केन्द्र दोनों ही स्थानों पर अध्ययन करें।

एच० बी० बद्दीनाथ
उप बेतार सलाहकार

डाक-तार बोर्ड

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1970

सं० 29-1/70-एल० आई०—डाकघर बीमा निधि की 31 मार्च, 1969 को देनदारियों के वास्तविक मूल्यांकन के फलस्वरूप राष्ट्रपति 31 मार्च, 1969 को चालू डाक जीवन बीमा पालिसियों के धारकों को सामान्य बोनस की मंजूरी दी है। यह बोनस पालिसी धारकों को जितनी रकम का बीमा हुआ है उसके अतिरिक्त और उस

के साथ ही दिया जाएगा। बोनस 1 अप्रैल, 1967 से 31 मार्च, 1969 के बीच जितनी अवधि के लिए चालू रही है उसके प्रत्येक पूरे माह के लिए नीचे दी गई दरों पर दिया जाएगा :

1. आजीवन बीमा पालिसियां (Whole Life Assurance Policies) : बीमे की गई राशि पर 28 रुपए प्रति हजार प्रतिवर्ष

2. मीयादी बीमा पालिसियां (Endowment Assurance Policies) : बीमे की गई राशि पर 22 रुपए प्रति हजार प्रतिवर्ष

2. परिवर्तित (Converted) पालिसियों 31 मार्च, 1969 को प्रति पालिसी जैसी स्थिति रही हो उसके मुताबिक बोनस दिया जाएगा।

3. ऐसी पालिसियों पर जिनके 1 अप्रैल, 1969 और अगली मूल्यांकन तारीख के बीच मृत्यु या उत्तर जीविता से दावे हुए हों या होंगे 1 अप्रैल, 1969 और जिस दिन दावे की बजह पैदा हुई या होगी उसके बीच उन पूरे महीनों के लिए अंतिम बोनस से नीचे लिखी दर पर दिया जाएगा जिनमें वे पालिसियां चालू थीं या रहीं हों :

1. आजीवन बीमा पालिसियां बीमे की राशि पर 28 रु० प्रति हजार प्रति वर्ष।

2. मीयादी बीमा पालिसियां बीमे की राशि पर 22 रु० प्रति हजार प्रति वर्ष।

अंतिम बोनस का आधार वह रकम होगी जितने के लिए मृत्यु या अविध पूरी होने की तारीख को बीमा रहा हो। जो पालिसियां समर्पित कर दी गई हों या 1 अप्रैल, 1969 और उनकी अगली मूल्यांकन तिथि के बीच समर्पित की जाएगी उन पर जितनी अवधि में वे चालू रही हों उस अवधि के लिए उनके नकद समर्पण मूल्य पर बोनस दिया जाएगा।

4. बोनस की रकम की गिनती करते समय 50 पैसे या उससे अधिक के लिए पूरा रुपया गिना जाएगा और 50 पैसे से कम की रकम की गिनती नहीं की जाएगी।

राजेन्द्र किशोर,

निदेशक

डाक जीवन बीमा।

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1970

सं० ई० आर० बी० 1/70/21/86 — भारत सरकार, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के 8 जुलाई, 1970 के संकल्प सं० ई० आर० बी० 1/70/21/86 में आंशिक आशोधन करते हुए यह विनिश्चय किया गया है कि श्री रामनाथ सेठ को स्थायी स्वैच्छिक सहायता समिति के "सदस्य-सचिव" के रूप में नामोद्दिष्ट किया जाए।

सी० एस० परमेश्वरन, एंव पदेन संयुक्त सचिव

DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE

RESOLUTION

New Delhi-1, the 4th July 1970

No. F. 25/1/70-SW.5.—The development of the programme of Social Welfare in the country has to be related to the changing needs of people. This calls for constant study and research. A number of efforts are already being made to undertake studies of the field problems by schools of social work and other social science research organisations. These efforts have to be coordinated so as to evolve an effective purposeful programme of Research in Social Welfare.

2. The Department of Social Welfare has decided, therefore, to constitute a Standing Advisory Committee on Social Welfare Research with the following terms of reference and membership:

Terms of Reference :

- (i) To work out the areas of research and study in the field of Social Welfare and to indicate priorities that should be given to the subjects and areas of research to meet the requirements of the field.
- (ii) To examine the methods of study included in different research projects submitted by the research organisations and to advise the Department on the approach adopted in the preparation of these projects.
- (iii) To guide in any other work related to the promotion of Social Welfare research in the country.

Membership

Chairman

- (i) Shri P. P. I. Vaidyanathan, Additional Secretary.

Members

- (ii) Dr. J. F. Bulsara, Park House, 81, Wode House Road, Bombay-5.
- (iii) Dr. M. S. Gore, Director, Tata Institute of Social Sciences, Sion, Chembur, Bombay-71 A.S.
- (iv) Dr. K. Bagchi, Adviser, Nutrition, D.G.H.S., New Delhi.
- (v) Dr. (Miss) E. V. Sebastian, Adviser, Maternity and Child Welfare, D.G.H.S., New Delhi.
- (vi) Representative of the Association of Schools of Social Work.
- (vii) Representative of the Indian Association of Trained Social Workers.

Member-Secretary

- (viii) Shri M. C. Nanavatty, Adviser, Social Welfare.

The Committee will have powers to co-opt Additional members and invite eminent research workers in the field to attend its meetings as and when necessary.

3. No special remuneration will be paid for the membership of the Committee. The members will, however, be entitled to draw T.A. and D.A. etc. for the journeys undertaken by them in connection with this assignment in accordance with the rules applicable to them in their respective Departments in the case of officials and at the rate admissible to Grade I officers of the Government of India in the case of non-officials.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be sent to all Members of the Committee, all Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Chief Secretaries of State Governments/Union Territories.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

P. P. I. VAIDYANATHAN, Addl. Secy.

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

New Delhi, the 16th March 1970

No. W-11(8)/69.—With reference to the provisions of Rule 8 of the Indian Wireless Telegraphy (Commercial Radio Operations Certificates of Proficiency and licence to operate Wireless Telegraphy) Rules, 1954, the Department of Communications hereby issues the revised Syllabus of the examination of Radio Telephone Operator's Certificate (Restricted) Aeronautical Mobile Services, which shall come into force on the first day of May, 1970.

Revised Syllabus of the Examination of Radio Telephone Operator's Certificate (Restricted) Aeronautical Mobile Services.

Form of Examination

The examination will consist of the following two parts :—

Part I—Practical test in Regulations and procedure—100 marks.

A practical test will be conducted over a synthetic R/T circuit. Candidates will be required to use phonetic alphabets and general procedure for radiotelephone working. Candidates will be required to carry out communications associated with mobile and/or base stations. Typical examples of what the candidates are expected to carry out are : preparation of messages for transmission, exchange of traffic, use of priorities requesting D/F assistance, obtaining meteorological informations, position reports, distress, urgency, safety and D/F procedures.

Part II—Oral examination in

(a) Regulations and Procedure—100 marks.

(b) Radio Principles and Practice—100 marks.

SYLLABUS : (a) *Regulations and Procedure* :—Shall cover the following

- International Telecommunication Convention and Radio Regulations.
- General and Aeronautical 'Q' Code signals and other abbreviations as contained in Annex. 10 (Vol. I & II) of International Civil Aviation Organisation.
- General Radiotelephone Communication procedures and radiotelephone communication procedure for distress, urgency and direction finding.
- Procedures for distress communication in Maritime Mobile Service.
- Words and figures spelling used in radiotelephony.
- Licensing requirements of installation and operation of radio apparatus used in aircraft.
- Minimum requirement of radio equipment to be carried on aircraft as prescribed in Annex. 6 of the International Civil Aviation Organisation and Civil Aviation Authority in India.
- Flight Information Regions in India and main Radio Communication and Navigation facilities available together with principal frequencies to be used for communication and navigation within India.
- Meteorological codes, pre-flight briefing services and their usages.
- Knowledge of notices to airmen issued by the Civil Aviation Authorities in India, as applicable to the Aeronautical mobile and Air Traffic Control Services.

(b) *Radio Principles & Practice* :—

Candidates will be required to have knowledge of :

Electrical Units such as Volt, Ampere, Ohm and Watt; Wavelength, frequency and their relationship;

Elementary knowledge of radio frequency propagation, day and night frequencies, ship distance, fading, ground shadow and its effect on communication, choice of frequencies to attain maximum efficiency in handling air-ground HF communications.

General knowledge of systems employed for air-ground communications including SELCAL operation, inter-communication and announcing systems of aircraft; elementary knowledge of Radio-navigation Aids, operation of microphones and headphones, squelch, AVC, volume control, tuning of transmitter, simplex and duplex operation; advantages and disadvantages of Radio-telephone communication; limitations of range due to frequency interference, etc.

NOTE : (i) The maximum marks in each part I and II is 100 and minimum for pass is 50 in individual parts. Candidates who do not qualify in Part I will be considered failed in the R/T examination.

(ii) References for study (limited to Aeromobile service requirements and allied regulatory matters)—

There are many books which cover various aspects of the syllabus, a brief selection of which is given below for guidance.

- (a) International Radio Regulations.
- (b) ICAO—Publications, Annex 10 Vol. I and II.
- (c) AERADIO Published by the DGCA of India (Government of India Publications).
- (d) Aeronautical Information Publication (Government of India Publications).
- (e) Suitable book(s) for Radio Communication Principles, many books are available on this subject. The Amateur Radio Relay league handbook may be useful for basic radio understanding.

(iii) It is recommended that the candidates in their own interest may study the functioning of a typical modern R/T installation on board a civil passenger aircraft, as also at the ground station.

H. V. BADRINATH, Dy. Wireless Adviser

(P. & T. Board)

New Delhi, the 25th July 1970

No. 29/1/70-LI.—On the results of Actuarial Valuation of the liabilities of the Post Office Insurance Fund as at the 31st March, 1969, the President is pleased to grant to the holders of Postal Life Insurance policies in force on the 31st March, 1969, a simple reversionary bonus as an addition to and payable with the sum assured, to be allowed for each full month during which the policies were in force between

the 1st April, 1967 and 31st March, 1969 at the rates given below :—

- (i) Whole Life Assurance policies—Rs. 28/- per thousand sum assured per annum.
- (ii) Endowment Assurance policies—Rs. 22/- per thousand sum assured per annum.

2. In the case of converted policies, bonus will be allotted to the respective policies as they existed on the 31st March, 1969.

3. In respect of policies which resulted into and will result into claims by death or by survival between 1st April, 1969 and the date of the next valuation, an interim bonus should be paid for each full month during which such policies were or are in force during the period from 1st April, 1969 to the date on which a claim arose or arises, at the rates given below :—

- (i) Whole Life Assurance policies—Rs. 28/- per thousand sum assured per annum.
- (ii) Endowment Assurance policies—Rs. 22/- per thousand sum assured per annum.

The interim bonus will be based on the amount of the sum assured on the date of death or maturity. The policies surrendered or that may be surrendered between 1st April, 1969 and the date of the next valuation shall receive a bonus equal to the cash surrender value of the interim bonus specified above for such portion of the period as the policies were in force.

4. Fractions of a rupee shall be rounded off to the nearest rupee (i.e. 50 paise or more being rounded off to the next higher rupee) while calculating the amount of bonus accrued under a policy.

R. KISHORE, Director, P.L.I.

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

RESOLUTION

New Delhi, the 15th July 1970

No. ERBI/70/21/86.—In partial modification of Government of India, Ministry of Railways (Railway Board)'s Resolution No. ERBI/70/21/86, dated 8th July '70 it has been decided to designate, Shri Ramnath Seth as 'Member-Secretary' of the Standing Voluntary Help Committee.

C. S. PARAMESWARAN, Secy, Rly. Board &
ex-officio Jt. Secy.

